परमेश्वर की वाचा: प्रकृति का एक नया नियम

- प्रतिज्ञा, सिद्धांत, संविदा, वसीयत, टेस्टामेंट – ये सभी शब्द वाचा के सच्चे स्वरूप को व्यक्त करने में असफल रहते हैं
- वाचा परमेश्वर की आत्मा को अपने में समाहित करती है
- वाचा कभी विफल नहीं होती और वह अवश्य पूरी की जाएगी!

अब्राहम: प्रथम “पूर्वज” (पितृपुरुष)

- नूह “पितृपुरुष” नहीं था
- **३ पितृपुरुष**

  अब्राहम >
  इसहाक >
  याकूब

- पिता, पुत्र और पौत्र

ऊर से हारान, कनान तक

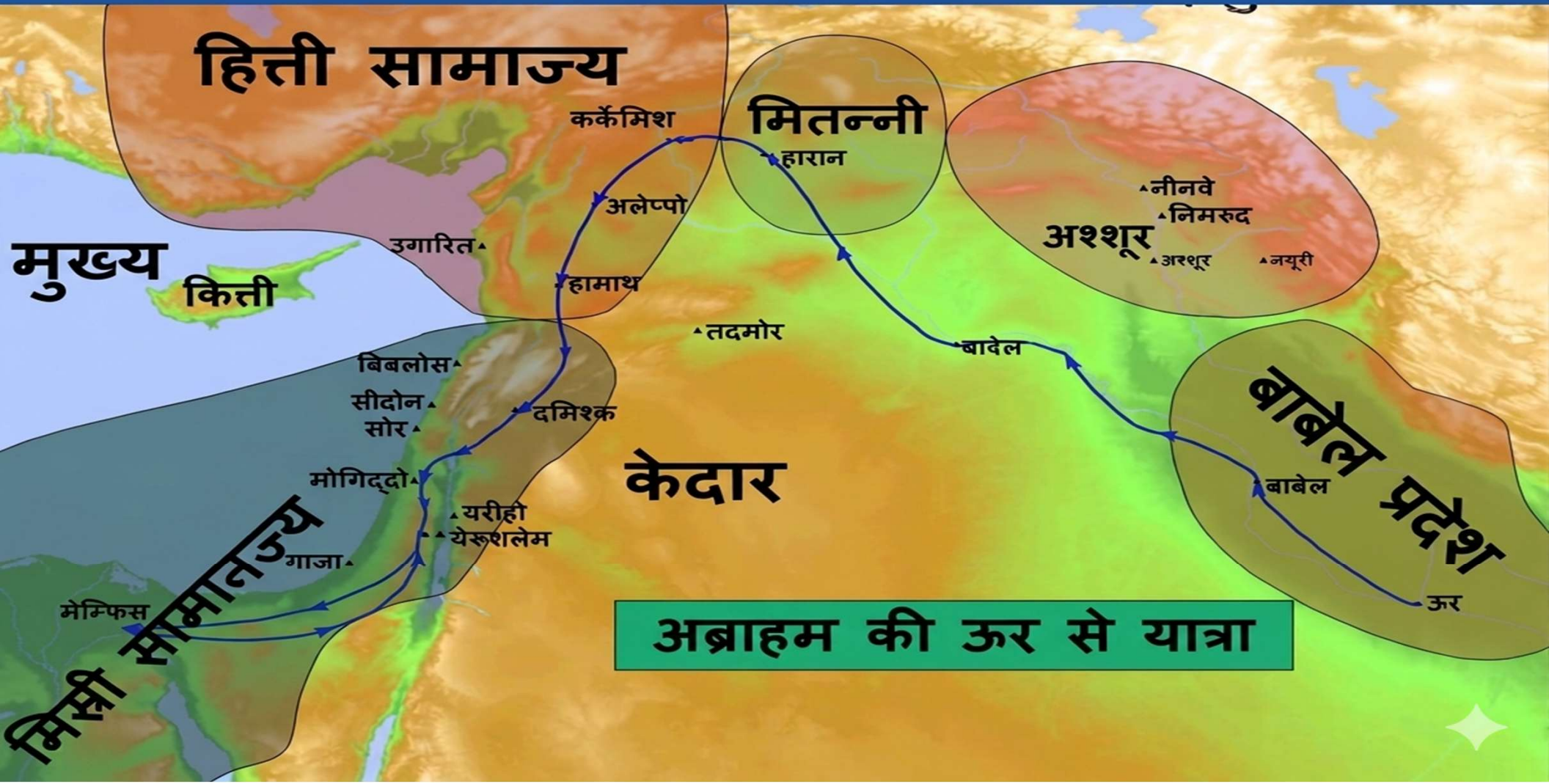

विभाजन और पृथक्करण ही कुंजी था

- अब्राहम भी अन्य सभी लोगों की तरह ही मूर्तिपूजक था
- उसे नूह की तरह कोई विशेष पुण्य या योग्यता नहीं दी गई थी
- अब्राहम को अपने मूर्तिपूजक परिवेश से अलग होना पड़ा
- <u>विभाजन, चुनाव और पृथक्करण</u>
- मनुष्य चीजों को छोड़ने से घृणा करता है
- परिचित वर्तमान हमेशा अनिश्चित भविष्य से अधिक आकर्षक लगता है
- क्या पृथक्करण परिवार, प्रिय मित्रों, या यहाँ तक कि अपनी कलीसिया से भी हो सकता है? हाँ! अब्राहम की कहानी इसकी पुष्टि करती है

पृथक्करण की अवधारणा मसीह की शिक्षा का केंद्रीय विषय है

- लूका १४:२६
  "यदि कोई मेरे पास आता है और अपने पिता, माता, पत्नी, बच्चों, भाइयों, बहनों तथा यहाँ तक कि अपने प्राण से भी बैर नहीं रखता, तो वह मेरा चेला नहीं हो सकता।"

- मत्ती १०:३४-३६
  "इसलिए यह न समझो कि मैं पृथ्वी पर शान्ति लाने आया हूँ; मैं शान्ति लाने नहीं, बल्कि तलवार लाने आया हूँ। क्योंकि मैं मनुष्य को उसके पिता के विरुद्ध, पुत्री को उसकी माता के विरुद्ध, और बहू को उसकी सास के विरुद्ध खड़ा करने आया हूँ; और मनुष्य के घर के लोग ही उसके शत्रु होंगे।"

पृथक्करण किसी न किसी रूप में अवश्य होना चाहिए, ताकि यहोवा की सेवा की जा सके

- **मत्ती १९:२९**
  "और जो कोई मेरे नाम के कारण घरों, भाइयों, बहनों, पिता, माता, बच्चों या खेतों को छोड़ देगा, वह सौ गुणा अधिक पाएगा और अनन्त जीवन का वारिस होगा।"
- बाइबल शब्दों का प्रयोग करती है जैसे पृथक किया हुआ, पवित्र किया हुआ, भिन्नता – इनसे पृथक्करण का भाव व्यक्त होता है
- पवित्र = पृथक किया हुआ, पवित्र किया हुआ, भिन्न, अलग किया हुआ

कनान में अब्राहम

- पृथक्करण के द्वारा अब्राहम ने वाचा को पुष्ट किया
- यह एक स्थायी वाचा है
- १९७५ - २००० ई.पू.
- जल-प्रलय के बाद ३५० वर्ष बीत चुके थे
- सारै (सारा) और लूत (भतीजा) अब्राहम के साथ गए
- कनानियों में हाम की संतान और उसके पुत्र कनान की अनेक जातियाँ थीं
- पहला पड़ाव शकेम था (आजकल इसे नाबलुस कहते हैं)

शकेम (Shekem)

- आज इसे नाब्लुस कहा जाता है, विवादित वेस्ट बैंक में
- फिर बेथेल और ए तक २५ मील की यात्रा
- एक और वेदी बनाता है
- फिर से "नेगेव" की ओर बढ़ता है
- नेगेव = दक्षिण

अब्राहम मिस्र जाता है

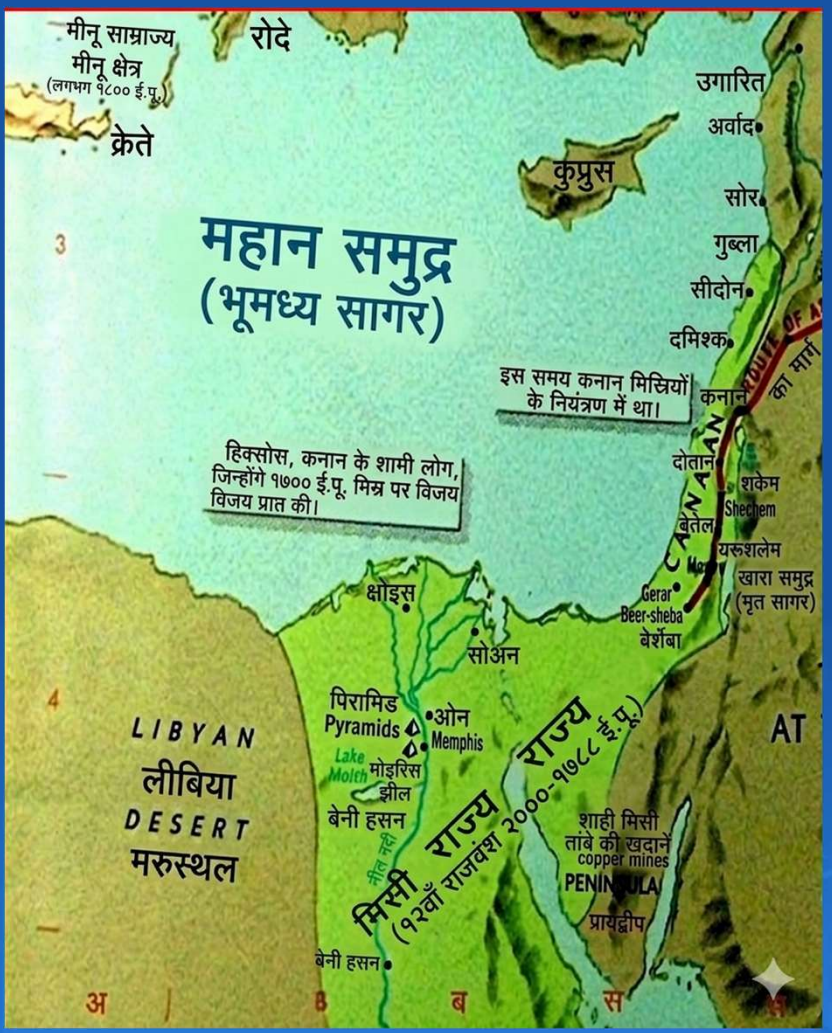

- वह अकाल से राहत पाने के लिए मिस्र गया
- मध्य पूर्व के उस क्षेत्र की जातियों के लिए मिस्र जाना भोजन प्राप्त करने के लिए सामान्य बात थी
- लोग आसानी से यात्रा करते थे, सुचिह्नित मार्गों से
- सारै, अब्राम की पत्नी, को फिरौन ने अपने हरम में ले लिया
- सारै अब्राम की सौतेली बहन थी

अब्राहम छल की तैयारी करता है

- सारै की आयु ७५ वर्ष थी
- अब्राहम मिस्र में समृद्ध हुआ
- उसे सारै के लिए दुल्हन-मूल्य (एक प्रथागत उपहार) दिया गया
- जब फिरौन को ज्ञात हुआ कि सारै अब्राम की पत्नी है, तब उसने उसे लौटा दिया
- फिरौन ने अब्राम को मिस्र से बाहर जाने का आदेश दिया
- इब्रानियों और मिस्र के बीच एक संबंध स्थापित हुआ

उत्पत्ति १३: अब्राहम मिस्र से निकलता है

- पद २ "……अब अब्राहम बहुत धनी हो गया था……"
- यह दुल्हन-मूल्य के उपहार थे जिन्होंने अब्राम को धनी बना दिया
- यह मूसा और निर्गमन का एक "प्रकार" और "स्वरूप" है

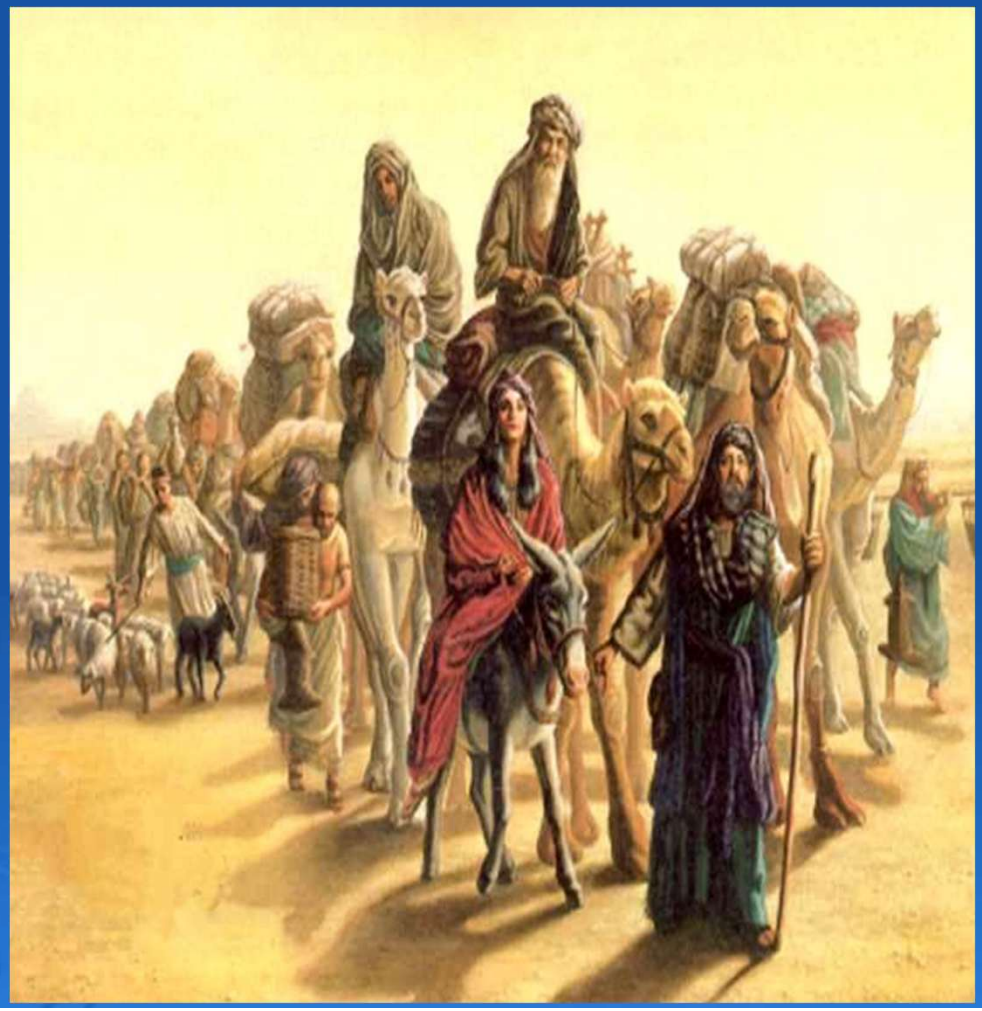

अब्राहम लूत से अलग होता है

- अब्राम ने लूत को भूमि चुनने का अधिकार दिया
- लूत ने यरदन घाटी और सदोम-गमोरा के क्षेत्र को चुन लिया
- लूत जानता था कि वह किस दुष्टता को चुन रहा है

परमेश्वर अब्राम के पास प्रकट होता है और वाचा में विवरण जोड़ता है

- उत्पत्ति १३:१५
  "जो सारी भूमि तू देख रहा है, उसे मैं तुझे और तेरे वंशजों को सदा के लिए देता हूँ।"
- अद् 'ओलाम = सदा के लिए, कभी न समाप्त होने वाला, शाश्वत
- अब ब्रह्मांड का एक नया नियम बनाया गया है!
- यह शर्तरहित है
- कोई भी मात्रा में पाप या विद्रोह यहोवा को अब्राम से की गई अपनी प्रतिज्ञा रद्द करने का कारण नहीं बन सकता

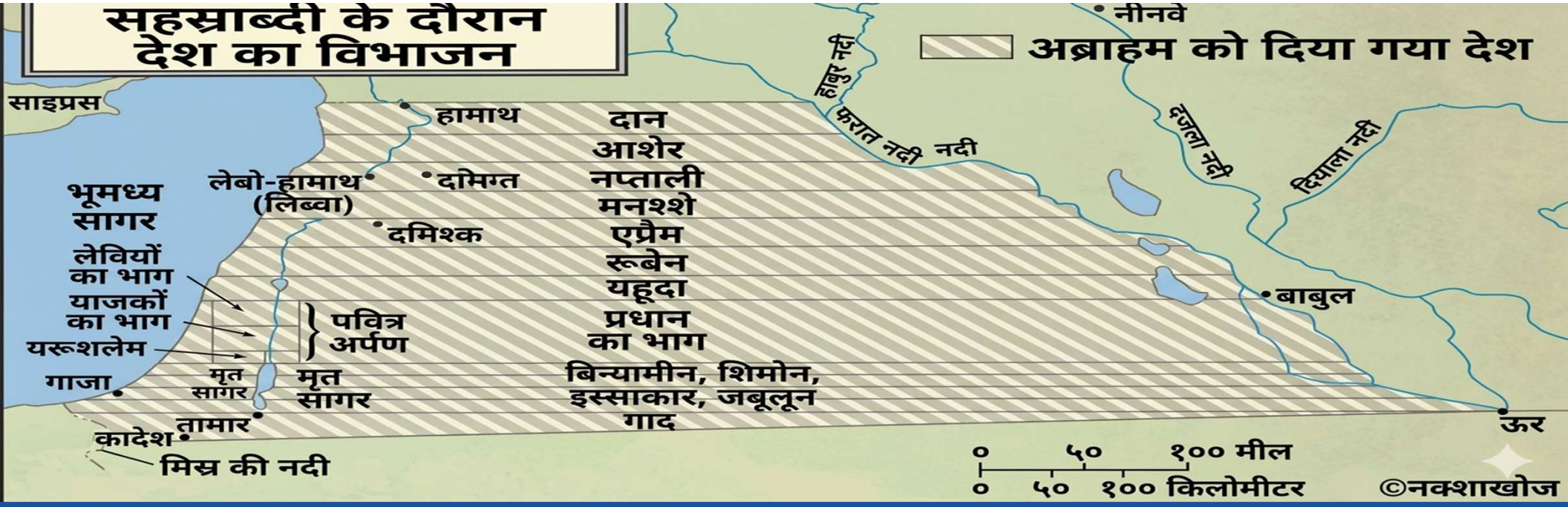

- **यहेजकेल अध्याय ३६ और ३७**
- अब्राहम जिस स्थान पर खड़ा था जब परमेश्वर ने उसे “वह भूमि” दी, वह आज पश्चिमी तट (वेस्ट बैंक) कहलाता है
- वह भूमि इस्राएल की है, न कि फिलिस्तीनियों की
- तुम कहाँ खड़े हो?